राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस विज्ञप्ति

**राजभवन देहरादून 08मार्च, 2019**

राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने शुक्रवार को राजभवन में 09 व 10 मार्च को आयोजित होने वाली पुष्प प्रदर्शनी बसंतोत्सव 2019 की जानकारी मीडिया को दी। राज्यपाल ने कहा कि ''इन दो दिनों में पुष्प उत्पादकों के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी। बच्चों को चित्रकला में उनकी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होगा। यहाँ की लोक संस्कृति, गीत संगीत का प्रदर्शन होगा। यह बसंतोत्सव वास्तव में उत्तराखण्ड की प्रकृति और संस्कृति का उत्सव है। मैं आपके माध्यम से देहरादूनवासियों तथा प्रदेशवासियों से अनुरोध करूंगी कि सपरिवार आये और इस उत्सव के भागीदार बनें।''

राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने कहा कि ''फूल, खुशहाली व समृद्धि का प्रतीक होते हैं। बसंतोत्सव के माध्यम से हमारी कोशिश भी ये ही है कि कैसे उत्तराखण्ड के काश्तकारों विशेष तौर पर पर्वतीय क्षेत्रों के काश्तकारों के जीवन में समृद्धि व खुशहाली लाई जा सकती है।''

उन्होंने कहा कि ''राजभवन में बसंत उत्सव की परम्परा 2003 से प्रारम्भ की गई। पुष्प प्रदर्शनी के रूप में शुरू हुआ यह आयोजन दिनों–दिन लोकप्रिय होकर अब एक बड़े सांस्कृतिक व आर्थिक महोत्सव का रूप ले चुका है। बसंतोत्सव केवल फूलों की प्रदर्शनी मात्र ही नहीं है बल्कि उत्तराखण्ड में ''फ्लोरीकल्चर'' की सम्भावनाओं का एक दर्पण है।''

इस अवसर पर सचिव श्री राज्यपाल श्री आर.के.सुधांशु, सचिव उद्यान श्री सेंथिल पाण्डियन और निदेशक उद्यान श्री आर.के.श्रीवास्तव सहित उद्यान विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

————————0————————

सूचना परिसर राजभवन,उत्तराखण्ड मो0–7055007009 टे0/फै0 0135–2756172

# बसन्तोत्सव – 2019

## 09 एवं 10 मार्च, 2019 राजभवन, देहरादून

**प्रस्तावनाः**

आदिकाल से ही पुष्प का सुख, शान्ति, सौन्दर्य एवं खुशी की अभिव्यक्ति में विशिष्ट स्थान रहा है, जो आज भी जारी है। पूर्व में पुष्पोत्पादन मात्र एक शौक था, परन्तु समय के साथ–साथ इसके उपयोग एवं मॉग में वृद्धि के कारण यह व्यवसायिक स्वरूप लेता जा रहा है। उत्तराखण्ड राज्य की भौगोलिक परिस्थितियॉ एवं उपलब्ध जलवायु पुष्पोत्पादन के लिए उपयुक्त है। कम क्षेत्रफल से अधिक आय प्राप्त होने के कारण कृषकों/उत्पादकों में इसके उत्पादन की अभिरूचि में वृद्धि हो रही है। इस विशिष्टता के दृष्टिगत इसे बढ़ाये जाने के लिये उद्यान विभाग द्वारा हर सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं। परिणामस्वरूप, उत्तराखण्ड राज्य के गठन से पूर्व प्रदेश में मात्र 150 हेक्टेयर में पुष्प उत्पादन होता था, जो वर्तमान में बढ़कर 1533 है0 (110 है0 पॉलीहाउस) क्षेत्रफल हो गया है, जिसमें गुलाब, गेंदा, रजनीगंधा के अतिरिक्त कटफ्लावर के रूप में जरबेरा, कारनेशन, ग्लेडियोलस, लीलियम, आर्किड आदि का प्रमुखता से व्यवसायिक उत्पादन किया जा रहा है। संरक्षित खेती के अन्तर्गत पॉलीहाउस में नवीनतम तकनीकियों का समावेश करते हुए फूलों की खेती की जा रही है। वर्तमान में कुल 2539 मै0टन लूज फ्लावर (गुलाब, गेंदा, रजनीगंधा एवं अन्य) तथा 15.50 करोड़ कटफ्लावर का उत्पादन हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि कटफ्लावर का उत्पादन के मुख्य रूप से देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर, नैनीताल तथा अल्मोड़ा जनपदों में किया जाता है तथा इन पुष्पों का विपणन स्थानीय बाजार के साथ–साथ दिल्ली, मेरठ, कानपुर, लखनऊ, चण्डीगढ़ आदि महानगरों में किया जाता है। राज्य में लगभग रू0 200.00 करोड़ के फूलों का व्यापार किया जा रहा है।

राज्य में पुष्पोत्पादन हेतु उपलब्ध विलक्षण जलवायु कम क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन एवं आय, विपणन हेतु प्रमुख बाजारों की निकटता के दृष्टिगत राज्य को पुष्प प्रदेश बनाने के उददेश्य से उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा प्रतिवर्ष राजभवन, देहरादून के गरिमामय परिसर में बसन्तोत्सव का आयोजन वर्ष 2003 से आरम्भ किया गया, जो प्रतिवर्ष बसन्त ऋतु में आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी विभाग द्वारा 09 एवं 10 मार्च, 2019 को राजभवन, देहरादून में बसन्तोत्सव, 2019 (Spring Festival 2019) का आयोजन किया जा रहा है।

**बसन्तोत्सव 2019 के महत्वपूर्ण आकर्षण–**

- जनमानस तथा कृषकों में पुष्प उत्पादन के प्रति अभिरूचि बढ़ाने के लिये बसन्तोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है–

i- कट फ्लावर
ii- पॉटेड प्लान्टस प्रबन्धन
iii- लूज फ्लावर प्रबन्धन
iv- पुष्प के अतिरिक्त पॉटेड प्लान्टस
v- कैक्टस एवं सकुलेन्ट्स
vi- हैंगिंग पॉटस
vii- ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी
viii- ताजे पुष्प दलों की रंगोली
ix- स्कूल चिन्ड्रेन पेंटिंग प्रतियोगिता

उपरोक्त 09 मुख्य प्रतियोगिताओं की केटेगरी में कुल 50 उपकेटेगरी हैं, जिनमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिये जायेगें। इस प्रकार कुल 150 पुरस्कार निर्णायक मण्डल के निर्णय के उपरान्त दिनांक 10 मार्च, 2019 को पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किये जायेगे।

- इस वर्ष राज्य के अकरकरा (*Spilanthes acmella*) पुष्प के विशेष आवरण जारी किये जाने हेतु चयनित किया गया है। जिसका अनावरण डाक विभाग के सहयोग से माननीय राज्यपाल जी, उत्तराखण्ड के कर कमलों द्वारा दिनॉक 09 मार्च, 2019 को बसन्तोत्सव के उदघाटन अवसर पर किया जायेगा।
- इस दो दिवसीय आयोजन में राज्य के 32 विभागों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा, जिसमें उद्यान विभाग के अतिरिक्त शोध संस्थान/कृषि विश्वविद्यालय/बोर्ड/निगम प्रमुख होगें। इन विभागों/संस्थानों द्वारा आयोजन में अपना स्टॉल लगाकर अपने विभाग के जनोपयोगी कार्यक्रमों/तकनीकियों का उत्कृष्टता के आधार पर प्रदर्शन किया जायेगा।
- इसके अतिरिक्त इस वर्ष अन्य संस्थानों यथाः– टी0एच0डी0सी0, एन0एच0पी0सी0 एवं व्यवसायिक बैंकों को भी प्रतिभाग हेतु आमन्त्रित किया गया है, जिनके द्वारा किसानों हेतु संचालित किये जा रहे कार्यक्रमों एवं नीतियों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने हेतु स्टॉल लगाया जायेगा।
- गत वर्षों की भॉति इस वर्ष भी राजभवन में रोपित **ट्यूलिप पुष्प** बसन्तोत्सव के अवसर पर अपनी अनुपम सुन्दरता प्रदर्शित करेगें।
- बसन्तोत्सव में विभिन्न पुष्प उत्पादकों (Open Cultivation & Protected Cultivation) तथा पुष्प नर्सरी उत्पादकों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा।
- उक्त के अतिरिक्त औद्यानिक यन्त्र, कृषि रसायन बायोफर्टिलाइजर, हाईब्रिड सब्जी बीज उत्पादन करने वाली विभिन्न फर्मों को आमन्त्रित किया गया है। औद्यानिक गतिविधियों से जुड़े गैर सरकारी संस्थाओं/स्वयं सहायता समूहों/स्थानीय उत्पादक संगठनों द्वारा भी अपने कार्यक्रमों/उत्पादों का प्रदर्शन किया जायेगा।
- स्कूल के विभिन्न आयु वर्गों (05 वर्ष से 18 वर्ष) के बच्चों द्वारा पेन्टिंग व फ्रेश पैटल रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जायेगा। साथ ही रेग पिकर/दिव्यांग बच्चों द्वारा भी पेन्टिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जायेगा। इस प्रतियोगिता के अन्तर्गत लगभग एक हजार से अधिक बच्चों द्वारा प्रतिभाग करने की सम्भावना है।
- संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा बसन्तोत्सव में राज्य के लोक नृत्यों का रंगारंग प्रदर्शन किया जायेगा तथा प्रथम दिवस की सांय सांस्कृति संध्या का आयोजन भी किया जायेगा।
- पर्यटन विभाग द्वारा देव संस्कृति विश्वविद्यालय के सहयोग से योगाभ्यास के प्रदर्शन का आयोजन किया जायेगा।
- आई.टी.बी.पी. द्वारा जूडो–कराटें का प्रदर्शन आयोजित कराया जायेगा।
- भारतीय सैन्य संस्थान (Indian Military Academy), इण्डो तिब्बत बार्डर पुलिस (ITBP) एवं पी0एस0सी0 के बैंड आकर्षण का मुख्य केन्द्र रहेगें।
- इस दो दिवसीय आयोजन में लोगों के खान–पान की सुविधा के लिए इन्स्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेन्ट एवं गढ़वाल मण्डल विकास निगम द्वारा फूड कोर्ट भी स्थापित किया जायेगा। इसके अतिरिक्त मशरूम व्यजंनों का भी स्टॉल स्थापित किया जायेगा।

- विगत वर्षों के अनुभव के आधार पर इस वर्ष भी लगभग एक लाख से अधिक जनमानस द्वारा पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन किये जाने की सम्भावना है।
- **इस वर्ष सम्पूर्ण बसन्तोत्सव कार्यक्रम को पॉलीथीन मुक्त रखा जायेगा।**

**बसन्तोत्सव–2019 के अन्य मुख्य कार्यक्रम–**

- इस वर्ष भी बसन्तोत्सव में 'वर्टिकल गार्डन' के माध्यम से नगरीय क्षेत्रों में औद्यानिकी को बढ़ावा देने हेतु पहल की गयी है, जिसमें कम स्थान पर विशेषकर घर की छत/बॉलकनी में पुष्पों एवं जैविक सब्जियों की खेती को प्रदर्शित किया जायेगा।
- **इस वर्ष प्रथमवार सिंचाई जल के समुचित उपयोग (Optimum Utilization) हेतु सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का सजीव प्रदर्शन भी किया जायेगा।**
- **इस वर्ष प्रथमवार पॉलीहाउस एवं एन्टी हेलनेट का सजीव प्रदर्शन किया जायेगा।**
- बसन्तोत्सव में इस वर्ष भी मौसम से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करने हेतु मौसम विभाग द्वारा स्टॉल लगाया जायेगा।
- इस वर्ष पुष्प उत्पादकों व पुष्प क्रेताओं के मध्य सीधे सामन्जस्य स्थापित करने हेतु उत्तराखण्ड औद्यानिक विपणन बोर्ड द्वारा Buyer-Seller Meet का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पुष्प विक्रेताओं के साथ–साथ सम्भावित पुष्प क्रेताओं को भी आमन्त्रित किया गया है।
- आई0टी0बी0पी0 द्वारा आपदा एवं उसके बचाव हेतु विभिन्न प्रबन्धन तकनीकी की जानकारी प्रदान करने हेतु एवं उपयोग में लाये जाने वाले यन्त्रों के प्रदर्शन हेतु स्टॉल लगाया जायेगा।
- बसन्तोत्सव के अवसर पर डाक टिकट प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है।
- आर्ट गैलरी के माध्यम से विभिन्न पेन्टिंग्स का प्रदर्शन राजभवन ऑडिटोरियम गैलरी में किया जायेगा।

**बसन्तोत्सव–2019 का प्रचार–प्रसार–**

- बसन्तोत्सव–2019 के वृहद प्रचार–प्रसार हेतु जनपद देहरादून के विशिष्ट स्थानों में होर्डिंग व बैनर्स लगाये गये हैं।
- इस वर्ष भी ''फूलों'' से सजे वाहन के माध्यम से देहरादून शहर के विभिन्न मार्गों पर बसन्तोत्सव का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया है।
- राज्य में पुष्प उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु विगत वर्ष की भॉति इस वर्ष भी उद्यान विभाग द्वारा वैबसाईट (www.uttarakhandspringfestival.in) पर बसन्तोत्सव सम्बन्धी समस्त जानकारी उपलब्ध करायी गयी है।

# पुष्प उत्पादकों हेतु प्रदेश में संचालित योजनाएं

**1. केन्द्रपोषित योजनाः–**

- **हार्टिकल्चर मिशन फॉर नॉर्थ इस्ट एण्ड हिमालयन स्टेट्स (HMNEH)** योजनान्तर्गत कृषकों को संरक्षित खेती एवं खुले वातावरण में फूलों की खेती करने हेतु प्रदान की जा रही राज सहायता का विवरण निम्नानुसार हैः–

| क्र0 सं0 | योजना | उद्देश्य | राज सहायता का विवरण | अधिकतम सीमा प्रति लाभार्थी (है0/ वर्गमी0 में) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | **नये उद्यानों की स्थापना** | | | |
| | पुष्प क्षेत्र विस्तार | कृषकों को पुष्प उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु पुष्प रोपण सामग्री उपलब्ध कराकर, क्षेत्रफल विस्तार कराना।<br>1. खुले पुष्प<br>2. डंडीयुक्त पुष्प<br>3. बल्बयुक्त पुष्प | 1. रू0 40,000/– प्रति है0 का 50:<br>2. रू0 1,00,000/– प्रति है0 का 50:<br>3. रू0 1,50,000/– प्रति है0 का 50: | 2 है0 |
| **2** | **संरक्षित खेती** | | | |
| अ | पॉलीहाउस/ ग्रीन हाउस निर्माण | संरक्षित वातावरण में सब्जी एवं पुष्पों की बागवानी को प्रोत्साहित करने हेतु राज सहायता प्रदान करना।<br>विभिन्न फूलों एवं सब्जियों की संरक्षित खेती करने हेतु फेन एण्ड पैड सिस्टम पालीहाउस | कुल लागत का 50 प्रतिशत<br>500 वर्गमी0 तक – कुल लागत रू0 1650.00/– प्रति वर्गमी0<br>500 से 1008 वर्गमीटर तक – कुल लागत रू0 1465/ प्रति वर्ग मीटर<br>1008 से 2080 वर्गमीटर तक – कुल लागत रू0 1420.00/ प्रति वर्ग मीटर<br>2080 से 4000 वर्गमीटर तक – कुल लागत रू0 1400.00/ प्रति वर्ग मीटर<br>(पर्वतीय क्षेत्रों के लिये 15: अतिरिक्त) | 4000 वर्ग मीटर |
| | | विभिन्न फूलों एवं सब्जियों की संरक्षित खेती करने हेतु ट्यूबलर स्ट्रक्चर पालीहाउस | कुल लागत का 50 प्रतिशत<br>500 वर्गमीटर तक – कुल लागत रू0 1060.00/– प्रति वर्ग मीटर<br>500 से 1008 वर्गमीटर तक – कुल लागत रू0 935.00/ प्रति वर्ग मीटर<br>1008 से 2080 वर्गमीटर तक – कुल लागत रू0 890.00/ प्रति वर्ग मीटर<br>2080 से 4000 वर्गमीटर तक – कुल लागत रू0 844.00/ प्रति वर्ग मीटर<br>(पर्वतीय क्षेत्रों के लिये 15: अतिरिक्त) | |
| ब | संरक्षित खेती के लिये रोपण की व्यवस्था | • पुष्प (आर्किड, एन्थोरियम)<br>• पुष्प (कारनेशन, जरबेरा)<br>• पुष्प (गुलाब/लिलियम) | • रू0 700 प्रति वर्गमीटर का 50 प्रतिशत<br>• रू0 610 प्रति वर्गमीटर का 50 प्रतिशत<br>• रू0 426 प्रति वर्गमीटर का 50 प्रतिशत | 4000 वर्ग मीटर |

- **राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड** द्वारा भी प्रदेश में ऋण आधारित बैक एण्डिड सब्सिडी के माध्यम से 4000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल के पॉलीहाउस स्थापना हेतु 50 प्रतिशत तक की राजसहायता प्रदान की जाती है।

**2. राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त सहायता**

- **मुख्यमंत्री सरंक्षित खेती योजनान्तर्गत** बागवानी मिशन (HMNEH) में प्रदान की जाने वाली 50 प्रतिशत राज सहायता के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा 500 वर्गमीटर क्षेत्रफल तक के पॉलीहाउस स्थापना हेतु 30 प्रतिशत राज सहायता अर्थात कुल 80 प्रतिशत राज सहायता प्रदान की जाती है।
- **पॉच वर्ष से अधिक पुराने पॉलीहाउसों** की जीर्ण–शीर्ण पॉलीथीन बदलाव हेतु कुल लागत का 75 प्रतिशत राज सहायता प्रदान की जाती है।